कलेक्टर की आधी रात ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई

6 वाहनों को मौके पर ही सीज किया, जुर्माना वसूला

डीडवाना। सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के नेतृत्व में चली इस विशेष मुहिम में प्रशासन ने 37 वाहनों के चालान काटकर 9 लाख 23 हजार रुपये का जुर्माना वसूला, वहीं 6 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

मैदान में उतरे खुद कलक्टर: रात 2 बजे तक टोल पर डटे रहे। अमूमन सरकारी कार्रवाई के निर्देश वातानुकूलित कमरों से जारी होते हैं, लेकिन इस बार नजारा बदला हुआ था। जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत और अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया खुद छापरी टोल प्लाजा पर मोर्चा संभाले नजर आए। कलक्टर को अचानक सड़क पर देखकर ओवरलोड वाहन चालकों और माफियाओं के पसीने छूट गए। कलक्टर की मौजूदगी में टीम ने एक-एक वाहन के भार और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। यह कार्रवाई देर रात करीब 2:00 बजे तक चलती रही।

जिला कलक्टर डॉ खड़गावत के निर्देशन में प्रशासन ने रणनीतिक तरीके से जिले के उन सभी रास्तों पर चेक प्वाइंट्स बनाए थे, जहाँ से ओवरलोड वाहनों के गुजरने की संभावना रहती है। संयुक्त टीमों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में सघन जांच की जिसमें छापरी टोल प्लाजा मुख्य केंद्र छोटी खाटू और निंबी जोधा कोलिया और तवरा लाडनूं रोड और रहमान गेट रहे। जांच के दौरान नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहनों पर प्रशासन ने कड़ी सख्ती दिखाई। ओवर लोडिंग की गंभीरता के आधार पर न्यूनतम 5,000 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये तक के भारी-भरकम चालान काटे गए। जिला कलक्टर के निर्देश पर प्रशासन, परिवहन विभाग और पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई का उद्देश्य आर्थिक दंड के जरिए जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग वाहनों की रोकथाम करना है। जिला कलक्टर डॉ खड़गावत ने बताया कि हमारा मकसद केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना है। ओवरलोड वाहन न केवल सड़कों को नुकसान पहुँचाते हैं, बल्कि ये जानलेवा दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण हैं। यह अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा। इस पूरी कार्रवाई में उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और जिला परिवहन अधिकारी सहित भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की।

- 37 ओवरलोड वाहनों पर 9.23 लाख का जुर्माना लगाया 6 वाहन सीज किये

उदयपुर में यूरिया उर्वरक की रिकॉर्ड आपूर्ति

उदयपुर। उदयपुर जिले में रबी मौसम 2025-26 के दौरान किसानों द्वारा फसलों की बुवाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस वर्ष जिले में बुवाई का कुल रकबा लक्ष्य से भी अधिक रहा है। निर्धारित 1,36,000 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध 1,40,295 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फसल बुवाईदर्ज की गई है, जो कृषि क्षेत्र में सकारात्मक प्रगति का संकेत है।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुधीर वर्मा ने बताया कि जिले में सर्वाधिक 91,210 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई हुई है। इसके अतिरिक्त चना फसल 21,410 हेक्टेयर, सरसों 11,320 हेक्टेयर तथा जौ 10,250 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बोई गई है। बुवाई का कार्य पूर्ण होने के साथ ही अब फसलों की बढ़ वार एवं संतुलित पोषण के लिये यूरिया उर्वरक की मांग निरंतर बनी हुई है। वर्मा ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति माह अक्टूबर 2025 से लगातार की जा रही है। सहकारी एवं निजी क्षेत्र के अधिकृत प्राधिकार पत्र प्राप्त संस्थानों पर रेलमार्ग एवं सड़क मार्ग से यूरिया का नियमित परिवहन एवं विक्रय सुचारू रूप से संचालित है।

रबी मौसम के दौरान अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 की अवधि में उदयपुर जिले में यूरिया की कुल मांग 23,600 मेट्रिक टन आंकी गई थी। इसके विरुद्ध अब तक 27,780 मेट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जा चुकी है, जो मांग से लगभग 4,000 टन अधिक है। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि पूरे जनवरी माह में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति आगे भी जारी रहेगी।

रतनपुर बॉर्डर पर अवैध शराब पकड़ी

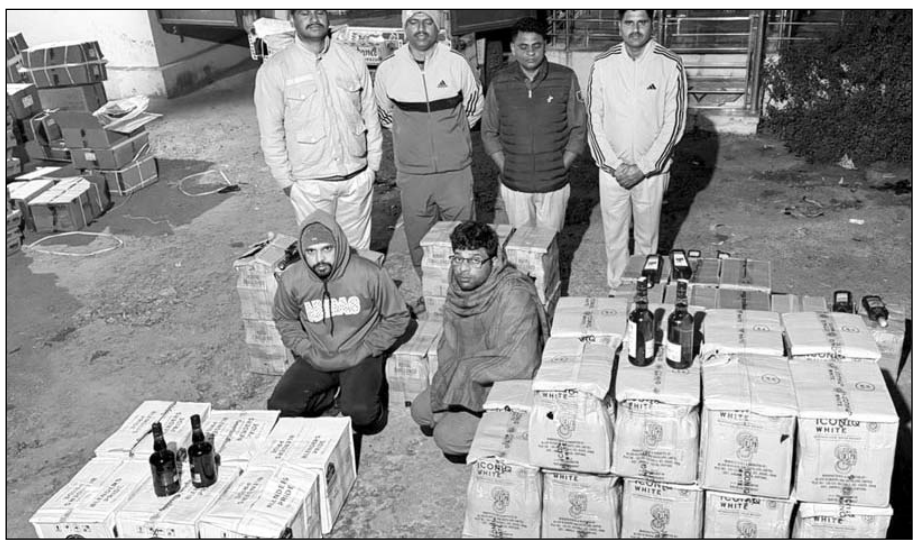

बिछीवाड़ा पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। सुधीर जैन

- इलेक्ट्रिक सामान की आड में हो रही थी तस्करी
- कंटेनर से 8 लाख की शराब जब्त

डूंगरपुर। जिले में बिछीवाडा थाना पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर बडी कार्यवाही करते हुए इलेक्ट्रिक उपकरणों की आड में गुजरात ले जाई जा रही 8 लाख रुपए मूल्य की हरियाणा निर्मित अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में कंटेनर ड्राइवर सहित 2 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

बिछीवाडा थानाधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध शराब तस्करी रोकने के लिए ऑपरेशन स्वच्छता चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत नेशनल हाईवे 48 के जरिए शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर वाहनों की तलाशी शुरू की।

नाकाबंदी में पकड़ा कंटेनर : तलाशी के दौरान उदयपुर की ओर से आ रहे एक बंद बॉडी कंटेनर को रोका गया। ड्राइवर से पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें इलेक्ट्रिक उपकरणों के पीछे हरियाणा निर्मित अवैध शराब की पेटियां भरी हुई मिलींए जिनके कोई वैध कागजात नहीं थे। पुलिस ने तत्काल कंटेनर को जब्त कर शराब की पेटियों को उतरवाया। कंटेनर से विभिन्न ब्रांड की कुल 74 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गईए जिसकी बाजार कीमत लगभग 8 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में प्रदीप पुत्र सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी घंगाला,भिवानी हरियाणा और अजय पुत्र फूलसिंह सुनार निवासी गुडा कैमला, महेंद्रगढ हरियाणा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे शराब को गुजरात ले जा रहे थे।

गैस तापिय विद्युत गृह में 50 फीट की ऊंचाई से मजदूर गिरा, मौत

मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर रामगढ़ बंद रहा

- अस्पताल प्र रार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी
- ग्रामीणों का आरोप है कि बिजलीघर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के रामगढ़ स्थित गैस तापीय विद्युत गृह में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ड्यूटी के दौरान करीब 50 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण एक ठेका श्रमिक नथमल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर मंगलवार को रामगढ़ बंद रखा और बिजलीघर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मॉर्च्यूरी के बाहर धरना दिया। उनकी मांग है कि मृतक के आश्रित को तुरंत सरकारी नौकरी दी जाए व पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का नकद मुआवजा मिले। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। जानकारी के अनुसार रामगढ़ निवासी नथमल (50) पुत्र आदूराम सुथार पिछले 6 वर्षों से बिजलीघर में ठेका श्रमिक के रूप में काम कर रहा था। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे वह यार्ड क्षेत्र में अपने काम पर तैनात था। इसी दौरान वह संदिग्ध परिस्थितियों में लगभग 50 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। कुछ समय बाद वहां से गुजर रहे एक सुरक्षा गार्ड ने नथमल को लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा देखा। आनन-फानन में उसे रामगढ़ हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही सुथार समाज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण हॉस्पिटल और बिजलीघर के बाहर जमा हो गए। ग्रामीणों ने मंगलवार को रामगढ़ कस्बा बंद रखने का आ ान किया, जिसका व्यापक असर दिखा। चाय की थड़ियों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान तक पूरी तरह बंद रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजलीघर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण आए दिन श्रमिकों की जान जोखिम में रहती है।

एक ही टाइम में धोखाधड़ी से दो डिग्री लेने का खुलासा

- दस साल बाद युवती व कॉलेज प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज

जोधपुर, (कासं)। करवड़ थाना इलाके में फर्जी तरीके से डिग्री लेने का एक मामला सामने आया है। इसमें मंडलनाथ स्थित निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज प्रबंधन पर आरोप है कि उसने नियमों को ताक पर रखकर एक छात्रा को जाली दस्तावेजों के आधार पर बीएड करवाई। छात्रा ने एक ही समय में दो अलग-अलग कॉलेजों से नियमित स्टूडेंट के तौर पर पढ़ाई पूरी कर ली, जो कि शारीरिक रूप से संभव नहीं है।

सूरसागर के सोढ़ों की ढाणी, तिलजी का बेरा निवासी विनोद सोलंकी की शिकायत पर घटना के करीब 10 साल बाद, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी युवती और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है।

एफआईआर के अनुसार महामंदिर निवासी आरोपी मोनिका ने साल 2014 में राजकीय आवासीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज जोधपुर में टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स में एडमिशन लिया। यह एक पूर्णकालिक नियमित कोर्स था। उसने वर्ष 2015 में प्रथम वर्ष पास किया, जिसकी मार्कशीट 7 जुलाई 2015 को जारी हुई। जबकि, वर्ष 2016 में द्वितीय वर्ष पास किया, जिसकी मार्कशीट 28 जून 2016 को जारी होना बताया गया है।

परिवादी विनोद सोलंकी ने आरोप लगाया कि जिस समय मोनिका पॉलिटेक्निक कॉलेज में नियमित छात्रा थी, ठीक उसी दौरान उसने निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, मंडलनाथ से बीएड का कोर्स भी रेगुलर स्टूडेंट के तौर पर कर लिया। इसके उत्तीर्ण करने की मार्कशीट 6 फरवरी 2016 को जारी हो गई। यानी 2014 से 2016 के बीच वह एक ही समय पर दो अलग-अलग परिसरों में पढ़ाई कर रही थी।

एफआईआर में निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज प्रबंधन को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने आरोपी मोनिका के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा। कॉलेज ने जानबूझकर उपस्थिति रजिस्टर में कूटरचना की और फर्जी हाजिरी भरकर उसे परीक्षा के लिए पात्र बताया। परिवादी ने आशंका जताई है कि मोनिका कभी कॉलेज गई ही नहीं, और हो सकता है कि परीक्षा में उसकी जगह किसी और (डमी कैंडिडेट) को बैठाया गया हो। परिवादी विनोद सोलंकी ने बताया कि उसने पहले पुलिस थाना करवड़ और पुलिस कमिश्नर को 23 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। हारकर उसने 14 अक्टूबर 2025 को न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 9, जोधपुर महानगर की कोर्ट में इस्तगासा पेश किया।

जैसलमेर शहर के नाले में मिला नहर परियोजना के रिटायर अधिकारी का शव

- टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। शहर के नाले में रिटायर्ड अधिकारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक संपतलाल भार्गव (60) इंदिरा गांधी नहर परियोजना में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पोस्टेड थे। वे 6 महीने पहले ही रिटायर्ट हुए थे।

मामला शहर के कोतवाली थाना इलाके के रेलवे कॉलोनी में देर रात डेढ़ बजे का है। कॉलोनी के पास बने एक नाले में उनका शव ऑटो ड्राइवर ने देखा था, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला।

शहर कोतवाली के एएसआई श्रवण विश्नोई ने बताया कि मृतक संपत लाल भार्गव शहर के सूली डूंगर में रहते थे। नाले के पास ही ऑटो स्टैंड है। एक ऑटो वाले ने नाले में जब व्यक्ति को गिरे हुए देखा तो उसने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने बताया कि अंधेरा और नाला गहरा होने के कारण संपत लाल को निकालने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस दौरान वहां मौजूद ऑटो रिक्शा के ड्राइवरों की मदद से करीब करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाल शहर के जवाहिर हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

21 प्रतिभाएं सम्मानित

बूंदी। कोटा शहर के अग्रवाल सेवा सदन में हाडोती गौरव सम्मान 2026 का आयोजन न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला थे।

अध्यक्षता संभागीय आयुक्त अनिल अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन युवा व्यवसायि सुरेश, संरक्षक परमानंद गोयल, संभागीय संयोजक लोकेश शर्मा रहे। जिला संयोजक भरत शर्मा व कार्यक्रम संयोजक केके शर्मा ने यह जानकारी दी।

बेटे ने मां का गला घोंटा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती जाजीवाल खिंचियान गांव में बेटे ने अपनी वृद्ध मां की हत्या कर दी। प्लास्टिक रस्सी से गला घोंटकर मां को मार दिया। बाद में कान की टोटियां और कंठी आदि जेवरात चोरीकर छुपा दिए। घर पर पोता आया तो वृद्ध दादी का शव चारपाई पर पड़ा पाया। आरोपी को पुलिस ने दस्यताब कर अब गिरफ्तार कर लिया है। उससे सोने के जेवरात बरामद किए जाने के साथ शव का भी मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है।

बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि जाजीवाल खिंचियान गांव में रहने वाली 75 साल की परमादेवी उर्फ परमुड़ी की हत्या उसके पुत्र ओमप्रकाश जाट ने कर दी। ओमप्रकाश नशे का आदी है। 4 जनवरी की शाम को मां बेटा दोनों ही घर पर थे। परमादेवी चारपाई पर सो रही थी।

उसके दो पोते जितेंद्र और रविंद्र बाहर गए हुए थे। शाम छह बजे छोटा पोता रविंद्र घर आया तब पता लगा कि दादी परमादेवी का शव चारपाई पर पड़ा है। वह मृत पाई गई। इस पर बाद में पुलिस को सूचना दी गई। मौका तस्दीक और जांच में पता लगा कि ओमप्रकाश ने अपनी मां परमादेवी का प्लास्टिक की छोटी रस्सी से गला घोंट कर मार दिया और फरार हो गया। थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि मौका तस्दीक और आसपास साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया। बाद में आरोपी की तलाश करने पर वह मिल गया।

आरोपी ओमप्रकाश ने अपनी मां की हत्या किए जाना कबूल कर लिया। उसने हत्या के बाद मां के पहने गहने टोटियां, कंठी आदि तोड़ कर छुपा दिए। पुलिस ने गहनों को जब्त कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया गया है।

लोकार्पण समारोह

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में पल्लवी दरक न्याती की तीन पुस्तकों का लोकार्पण मौजी बाबा धाम पर किया गया। उनकी तीनों पुस्तकों नमक मीङ्गा चीनी खारी (काव्य संग्रह), दर्शन वंदन (भक्ति गीत संग्रह)और सागर सीप (आलेख संग्रह)को सभी साहित्यकारों ने सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महापौर महेश विजय (अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद कोटा इकाई) ने की। डॉक्टर बी.सी.तेलंग (इथोस हास्पिटल) मुख्य अतिथि रहे व डॉक्टर आदित्य कुमार गुप्ता (प्रोफेसर कोटा यूनिवर्सिटी) विशिष्ट अतिथि रहे।

चौथमाता के दर्शनों को श्रद्धालुओं की भीड़ रही

बूंदी। श्रद्धा के आगे सुबह की गलनभरी सर्दी बौनी नजर आई। बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता का पांच दिवसीय मेले के दूसरें दिन संकट चतुर्थी के अवसर पर माता के दर्शन और अपनी मनोकामना के लिए बून्दी सहित आसपास के सभी क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। अलसुबह से ही चौथ माता मंदिर के रास्ते में श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। शहर के हर मार्ग पर पैदल जाने वाले श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए नजर आए। इस दौरान कई श्रद्धालु नंगे पैर भी दिखाई दिए। शीतलहर के बावजूद आज सुबह से महिलाएं व युवतियों का समूह के रूप में माताजी के जयकारे लगाते हुए चौथ माता मंदिर के लिए जाना शुरू हो गया था। दोपहर को धूप खिलने से श्रद्धालुओं को राहत मिली और उनकी संख्या लगातार बढ़ती गई। बाणगंगा में स्थित चौथमाता मंदिर में श्रद्धालुओं का आना बीती रात से ही शुरू हो गया। अलसुबह से ही शहर से बाणगंगा जाने वाले सभी रास्तों में श्रद्धालुओं के समूह नजर आने लगे थे। दर्शन को आने वाले सभी श्रद्धालु माता के जयकारे लगाकर नाचते गाते हुए मंदिर प्रांगण में पहुँचे। जहाँ आंकड़े के अनुसार 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार और विश्व की सुख समृद्धि की कामना की ढोक लगाई।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दंपती से 13.75 लाख की धोखाधड़ी

- दुबई में पक्की नौकरी के लिए फिर से फांसा
- दुबई से भाग कर जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और अमानवीय प्रताड़ना का एक मामला पुलिस में दर्ज हुआ है। इस घटना ने एक बार फिर 'डंकी रूट'(अवैध तरीके से विदेश जाना) के खतरों को उजागर कर दिया है। शातिर ठगों ने एक दंपती को अमेरिका और जापान में नौकरी का सपना दिखाया, लेकिन ट्रंप सरकार का बहाना बनाकर अचानक प्लान बदल दिया और हकीकत में अमेरिका-जापान की बजाय उन्हें बैंकॉक, मकाऊ और कोरिया जैसे देशों में भटकने पर मजबूर कर दिया, जहां उन्हें मानसिक और शारीरिक यातनाएं झेलनी पड़ीं। इस बीच में पीड़िता और उसके पति को विदेशी जेल में रहना पड़ा, भूखे-प्यासे दिन गुजारने पड़े और अंत में दुबई में बंधक बनाकर रखा गया। पीड़ित दंपती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में कुल 13 लाख 75 हजार रुपए की ठगी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

चौहाबो पुलिस ने बताया कि बीआर बिड़ला स्कूल के पास आदेश्वर नगर निवासी एक दंपती विदेश में नौकरी करना चाहते थे। अप्रैल 2025 में उनकी बात कुचामन के डीडवाना निवासी इशा अग्रवाल और बाबूलाल पंवार से हुई। आरोपियों ने दंपती को भरोसे में लेने के लिए विदेश भेजने के कई झूठे किस्से सुनाए। शुरुआत में आरोपियों ने यूएसए या जापान में नौकरी दिलाने का वादा किया और इसके बदले 21 लाख रुपए की मांग की। भरोसे के तौर पर 50 हजार रुपए एडवांस ले लिए। कुछ दिन बाद आरोपियों ने कहा कि अभी यूएसए में ट्रंप सरकार है और वहां काम की अनिश्चितता है, इसलिए वे उन्हें यूके या जापान भेज देंगे। अंत में कोरिया (जेजू) में अच्छी नौकरी और रहने-खाने की सुविधा का झांसा देकर डील पक्की की गई।

आरोपियों ने दंपती को दिल्ली बुलाया। वहां दो दिन रोका और कोरिया भेजने के नाम पर 4 हजार यूएस डॉलर एक्सचेंज करवाए। साथ ही एक लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। दिल्ली एयरपोर्ट पर आरोपियों ने दंपती को सीधे कोरिया के बजाय बैंकॉक का टिकट थमा दिया। कहा गया कि यह रूट है- बैंकॉक से मकाऊ, फिर सिंगापुर होते हुए कोरिया। जैसे ही दंपती बैंकॉक पहुंचे, इमिठोशन ने उन्हें रोक लिया। घबराकर उन्होंने आरोपियों को कॉल किया तो आरोपियों ने कहा कि 3 लाख रुपए भेजो तभी एंट्री मिलेगी। मजबूरी में पैसे ट्रांसफर किए गए। वहां खाने-पीने का खर्च भी खुद उठाना पड़ा। बैंकॉक से उन्हें मकाऊ भेजा गया। वहां फिर वही कहानी दोहराई गई। इमिठोशन ने रोका और आरोपियों ने छोड़ने के नाम पर फिर 3 लाख रुपए ठग लिए। मकाऊ से उन्हें शिप (जहाज) के जरिए हांगकांग भेजा गया। वहां दो दिन अपने खर्च पर रुकने के बाद वे कोरिया के लिए रवाना हुए। कोरिया (जेजू) एयरपोर्ट पहुंचते ही इमिठोशन अधिकारियों ने दंपती को हिरासत में ले लिया। उन्हें चार दिन तक जेल में रहना पड़ा। आरोपियों ने यहां भी खेल खेला और वकील करने के नाम पर 25 हजार रुपए ऐंठ लिए, लेकिन कोई वकील नहीं आया। दंपती जेल में भूखे-प्यासे रहे और अंततः उन्हें भारत डिपोर्ट कर दिया गया।

भारत लौटने पर जब पीड़ितों ने आरोपियों से अपने पैसे वापस मांगे और नाराजगी जताई, तो आरोपी उनके पैरों में गिर गए। उन्होंने माफी मांगी और कहा कि पिछला काम बिगड़ गया था, लेकिन अब वे दुबई में पक्की नौकरी लगवा देंगे। फिर दंपती उनके झांसे में आ गया। आरोपी उन्हें साथ लेकर दुबई गए। वहां दो लाख रुपए नकद लिए और एक ऑफिस में ले जाकर परमानेंट जॉब का भरोसा दिलाकर 6 लाख रुपए और ट्रांसफर करवा लिए।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस अब ढींढा स्टेशन पर रुकेगी

कोटा, (निसं)। यात्रियों की सुविधा, स्थानीय आवागमन की आवश्यकताओं एवं क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल से होकर गुजरने वाली जोधपुर-भोपाल-जोधपुर प्रतिदिन एक्सप्रेस ट्रेन का जयपुर मंडल के ढींढा स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर आगामी आदेशों तक ठहराव प्रदान किया गया है।

इस निर्णय से ढींढा स्टेशन सहित आसपास के ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुगम, समयबद्ध एवं सुविधाजनक बन सकेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल प्रतिदिन एक्सप्रेस 7 जनवरी से जोधपुर से प्रस्थान कर ढ ींढ ा स्टेशन पर सायं 4.01 बजे पहुंचेगी तथा 4.02 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर प्रतिदिन एक्सप्रेस 7 जनवरी से भोपाल से प्रस्थान कर ढींढा स्टेशन पर प्रातः 10.53 बजे पहुंचेगी तथा 10.54 बजे आगे के लिए रवाना होगी। रेल प्रशासन द्वारा यह ठहराव यात्रियों की मांग एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए प्रायोगिक रूप से प्रदान किया गया है।

चोरी का माल खरीदने वाला गिरफ्तार

ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर। चितरी थाना पुलिस ने एक ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी व्यापारी के कब्जे से चोरी की गई 2 किलो 55० ग्राम चांदी भी बरामद की है। इससे पहले, पुलिस इस मामले में चोरी करने वाले 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया गया था।

चितरी थाने के एएसआई ने बताया कि चितरी निवासी मोहिता जैन ने 3 अप्रैल 2025 को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि 2 अप्रैल की रात को चितरी स्थित उनकी ज्वेलरी शॉप से 2 किलो 550 ग्राम चांदी के आभूषण चोरी हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी किए गए चांदी के जेवर घाटा का गांव निवासी व्यापारी नितिन जैन को बेचे थे। इसके बाद पुलिस ने नितिन जैन की तलाश शुरू कीए लेकिन वह फरार हो गया था।

कपिल गुप्ता ने डोनेट की एसडीपी

कोटा। टीम जीवन दाता ने अपने सेवा कार्यों में विस्तार करते हुए समय रहते एसडीपी उपलब्ध कराने का सेवा संकल्प लिया हैं, उसी के तहत गंभीर बीमारी से पीड़ित ज्ञानेंद्र विजय को समय पर एसडीपी उपलब्ध कराई जिससे उन्हें काफी राहत मिली। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि ज्ञानेंद्र को बी पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, उनके पुत्र आदित्य विजय जो की शिक्षा विभाग में अधिकारी हैं, उन्होंने भी काफी प्रयास किया लेकिन वह एसडीपी के लिए डोनर्स नहीं ढूंढ पाए, ऐसे में वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश विजय ने एसडीपी के लिए आदित्य विजय को आश्वस्त किया और भुवनेश गुप्ता को कॉल किया, तत्काल ही कपिल गुप्ता को कॉल किया गया। कपिल गुप्ता हमेशा मानवता की सेवा के लिए तैयार रहते हैं और वह शीघ्र ही अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे उनके साथ उनकी पत्नी ज्योति गुप्ता भी रही, कपिल ने एसडीपी डोनेट कर ज्ञानेंद्र विजय के जीवन में नई रोशनी लाने का प्रयास किया। कपिल गुप्ता का कहना है कि वह मानवता के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और लोगों को भी प्रेरित करते हैं। गुप्ता के अनुसार कपिल 30 बार रक्तदान व 40 बार एसडीपी डोनेट कर चुके है।